विज्ञान समिति, उदयपुर

मासिक रिपोर्ट

Estb : 1959
Reg. No. 94 / 68-69

नियमित प्रकाशन का पन्द्रहवां वर्ष

Phone :
0294-2413117, 2411650
E-mail Id :
samitivigyan@gmail.com
Website :
www.vigyansamitiudaipur.org

अंक :179 | स्वैच्छिक सेवा का 58 वां वर्ष | फरवरी 2017

आर्थिक सहयोग

● **सदस्य वार्षिक सहयोग** –डॉ. जैनेन्द्र दोशी रु. 1000/–; श्री बी.एल. पोखरना रु. 1000/–; डॉ. अनुराग तलेसरा रु. 5000/–; श्री जे.एस. पोखरना रु. 1000/–

● **विशेष सहयोग** - डॉ. यशवन्त कोठारी चेरीटेबल पब्लिक ट्रस्ट रु. 1400/–; श्री तेजसिंह धाकड़ – रु. 10000/– गुप्त –हस्ते श्री जे.एन. कविराज रु. 1300/–

● **हेल्प टू नीडि** - श्री इब्राहिम अली – शहर जुहैर ट्रस्ट रु. 10,000/–

● **छात्रवृत्ति कोष** - डॉ. एन.एल. कच्छारा रु. 11,000/–; श्री श्याम सुन्दर नंदवाना रु 1000/–

विज्ञान लोकप्रियकरण

● **लोकविज्ञान : जनवरी अंक के लेख- इसरो की ऊँची उड़ान, योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य, प्रकृति में मूल बलों का विवेचन, नवीन शब्द संक्षेप, भूकंप : क्या और कैसे ?**

● **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** - इसका आयोजन विज्ञान समिति उदयपुर द्वारा समीपवर्ती राजकीय माध्यमिक विद्यालय, घणोली एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय, देवाली में विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। **प्रोफेसर महीप भटनागर** के मुख्य आतिथ्य में **श्री राजेन्द्र खोखावत** ने विज्ञान के महत्व पर काव्यमय प्रस्तुति दी। पूर्व प्रधानाचार्या **रेणु भंडारी** ने विज्ञान के सरल प्रयोगों का प्रदर्शन कर उनके वैज्ञानिक सिद्धान्तों की चर्चा की। **श्री प्रकाश तातेड़** ने **डॉ. सी वी रमन एवं डा. डी एस कोठारी** के योगदान को उजागर किया। बालकों के समक्ष विज्ञान क्विज का आयोजन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। दोनों विद्यालयों के संस्था प्रधानों ने विचार व्यक्त करते हुए विज्ञान समिति का आभार व्यक्त किया।

विज्ञान समिति परिसर में ग्रामीण महिला चेतना शिविर में भी विज्ञान दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया जिसमें **श्रीमती शंकुतला धाकड़, श्रीमती पुष्पा कोठारी, प्रोफेसर सुशीला अग्रवाल, डॉ. के एल कोठारी** ने विज्ञान दिवस के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। गुड़ली की दो बालिकाओं को उनके परीक्षाफल के आधार पर पुरस्कृत किया गया।

एमपीयूएटी एवं विज्ञान समिति साझा कार्यक्रम

आदर्श ग्राम विकास कार्यक्रम-

● **देवाली गाँव में चिकित्सा शिविर** -

पूर्व निश्चित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 05/02/17 को ग्राम देवाली में चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में निम्नांकित चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी –

डॉ. आई.एल.जैन सामान्य रोग चिकित्सक (ब्लड शुगर जाँच युनिट के साथ), **डॉ. कौशल्या बोर्दिया,** स्त्री रोग चिकित्सक ने अपनी सेवाएँ दीं। **डॉ. अनुराग तलेसरा,** शल्य चिकित्सक एवं **डॉ.भानु कुमार वर्मा** ईएनटी स्पेशलिस्ट ने **चितरंजन मोबाईल यूनिट** के माध्यम से दवाई एवं स्टाफ के साथ अपनी सेवाएं दीं। अलख नयन मन्दिर की ओर से **डॉ. प्रतीक** एवं उनके सहायक ने नेत्र चिकित्सा के रूप में सेवाएं प्रदान की। **श्री बी एल पोखरना** ने अपने चार सहयोगियों के साथ एक्यूप्रेशर सेवाएं दीं। विज्ञान समिति की ओर से **डॉ.के एल कोठारी, डॉ. के.पी. तलेसरा, मुनीश गोयल, डॉ. विभा भटनागर, डॉ. शैल गुप्ता, डॉ.जे के दोशी, अरुण अग्रवाल, आर के खोखावत, अविनाश भटनागर, प्रतीचि अविनाश** उपस्थित थे। हमारे ही सदस्य **श्री बी एल खमेसरा एवं श्री मोतीसिंह खमेसरा** महावीर इण्टरनेशनल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। **डॉ. आर एस राठौड़** कृषि विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित थे। कार्यालय से **श्रीमती मन्जुला शर्मा तथा कैलाश वैष्णव** उपस्थित थे।

कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे शुरु हुआ। सुबह से ही काफी गहमागहमी थी एवं ग्रामीणों में भारी उत्साह था, ग्रामीण विकास समिति के काफी सदस्य उपस्थित थे एवं शिविर की व्यवस्था संचालन में मदद कर रहे थे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री मीणा पूरे समय उपस्थित रहे एवं उन्होंने स्टाफ एवं बच्चों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई। पूरे समय लगभग 3 घण्टे तक रजिस्ट्रेशन का कार्य चलता रहा एवं 232 पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में महिलाएं एवं वृद्धजनों की उपस्थिति काफी अधिक थी एवं उन्होंने इस चिकित्सा शिविर का पूरा लाभ लिया। देवाली विकास समिति के संयोजक **श्री इंद्रसिंह**, सह संयोजक **श्री भँवर सिंह,** सचिव **श्री अभय सिंह, श्री दौलत सिंह, श्री मदन सिंह, श्री घीसूलाल** आदि उपस्थित थे। इनका प्रचार प्रसार एवं अन्य व्यवस्थाओं में काफी सहयोग रहा।

महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष **इंजी. श्री बी एल खमेसरा** एवं पूर्व अध्यक्ष **श्री एम एस खमेसरा** ने एक महिला **मंजू मेघवाल** को सिलाई मशीन भेंट की। विज्ञान समिति की ओर से भी एक मशीन प्रो. जे के दोशी के सौजन्य से एक अन्य महिला को दी गई। इन महिलाओं ने विज्ञान समिति द्वारा आयोजित सिलाई प्रशिक्षण में सिलाई सीखी थी, किन्तु मशीन खरीदने में असमर्थ थी। हमारे सदस्य एवं एक्यूप्रेशर सेवाओं के प्रमुख **श्री बी एल पोखरना** द्वारा अभाव ग्रस्त लोगों को 22 कंबलें तथा देवाली विकास समिति के सचिव **श्री अभय सिंह** द्वारा 2 कंबलें प्रदान की गई।

● **वर्मी कम्पोस्टिंग विधि पर वार्ता प्रदर्शन एवं इकाई स्थापना** –

दिनांक 16 फरवरी को राजस्थान कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता **श्रीमती डॉ. अनिला दोशी** की अध्यक्षता में उपरोक्त कार्यक्रम देवाली गाँव में आयोजित हुआ जिसमें ग्राम विकास समिति के काफी सदस्य उपस्थित थे। कृषि महाविद्यालय के मृदा विभाग से वर्मी कम्पोस्टिंग विशेषज्ञ **डॉ. गजानन्द जाट** ने वार्ता दी प्रदर्शन किया एवं **श्री इन्द्रसिंह जी** के निवास पर वर्मी कम्पोस्टिंग इकाई (12'x4'x1.5') स्थापित की जिसे लोगों ने बड़ी रूची से सीखा। इस अवसर पर **डॉ. अनिला दोशी** ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि महाविद्यालय आपके कृषि विकास के लिए कई तरह से सहयोगी बन सकता है।

सम्पादन-संकलन : डॉ. के.बी. शर्मा, अध्यक्ष; डॉ. के.पी. तलेसरा, कार्यकारी अध्यक्ष; रमेश चन्द्र भटनागर, महासचिव

●राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर देवाली उच्च प्राथमिक विद्यालय में विज्ञान समिति द्वारा विशेष कार्यक्रम हुआ। जिसका विवरण इसी रिपोर्ट में अन्यत्र है।

महिला सशक्तीकरण

● **वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ :** इस प्रकोष्ठ की बैठक 20 फरवरी को आयोजित हुई जिसमें 75 महिलाएँ उपस्थित थी। कुछ खेल के कार्यक्रम हुए। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में बताया एवं सहयोग की अपील की। बैठक के अन्त में सदस्या **श्रीमती नीलू जवेरिया** को श्रद्धांजलि दी गई।

● **नवाचार महिला प्रकोष्ठ :** इस प्रकोष्ठ की बैठक 10 फरवरी को आयोजित हुई। 60 महिलाएँ सम्मिलित हुई। प्रशिक्षिका **पूर्वी भागर्व मिस्त्री** ने ''औंधिया'' की रेसिपी का लाईव डेमोन्स्ट्रेशन दिया। काठियावाड़ी, जैन एवं गुजराती औंधिया के विभिन्न वेरिएशन भी सिखाए गए।

● **ग्रामीण महिला चेतना शिविर :** दिनांक 28 फरवरी 2017 को आयोजित इस शिविर में 30 महिलाएं सम्मिलित हुई। प्रार्थना के साथ **प्रो. सुशीला अग्रवाल** ने सभी का स्वागत किया **श्रीमती मंजुला शर्मा** ने गुड़ली से आये सभी नये सदस्यों का परिचय कराया।

श्रीमती शकुन्तला धाकड़ ने भोजन के विभिन्न तत्वों और उनकी वैज्ञानिक उपयोगिता को महिलाओं को विस्तार से बताया। **श्रीमती लक्ष्मी शर्मा** ने विज्ञान एवं विज्ञान का महत्व मेवाड़ी भाषा में बताया। शिवजी, हनुमान के भजन भी सुनाये। **श्रीमती सुन्दरी छतवानी** ने तथा **श्रीमती पुष्पा कोठारी** ने विज्ञान के महत्व को बताते हुये बहुत सी प्रेरणात्मक जानकारी दी और अगले माह आँवले की खाद्य सामग्री बना कर लाने के लिये प्रेरित किया। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने विज्ञान के महत्व और विज्ञान समिति के बारे में चर्चा की जीवन पच्चीसी के बिन्दु पर चर्चा की, गुड़ली की सदस्या **बबीता पाण्डेय** की दोनों बेटियों को अच्छे नम्बर लाने पर 500/– नगद प्रोत्साहन हेतु दिये गये सभी वार्ता के कुछ अंश **श्वेता** ने मंच पर बोले और प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार दिया गया।

प्रो. सुशीला अग्रवाल ने कुछ घरेलु नुस्खों की जानकारी दी पढ़ाई के लिए भी प्रेरित किया। **श्रीमती मंजुला शर्मा** ने विज्ञान समिति के सभी कार्यक्रमों की जानकारी एवं ऋण सम्बन्धित जानकारी विस्तार से दी। गुड़ली एवं चन्देसरा की 7 महिलाओं ने वार्षिक शुल्क जमा कराया। चन्देसरा एवं फतह नगर की महिला ने ऋण की किस्तें जमा कराई। लहर वितरण एवं यात्रा भत्ता भी जल पान के साथ दिया गया कार्यक्रम का संचालन **डॉ. शैल गुप्ता** ने किया।

स्वास्थ्य सेवाएं

●**निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर :** विज्ञान समिति, महावीर इन्टरनेशनल व आरोग्य एक्यूप्रेशर उपचार, शोध एवं प्रशिक्षण प्रन्यास, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर प्रत्येक गुरुवार व शनिवार को सायं 5 से 6.30 बजे तक सफलतापूर्वक आयोजित हुए। फरवरी माह में 10 शिविर हुए जिसमें 204 दर्दियों की चिकित्सा की गई। **श्री बी.एल. पोखरना** एवं उनके सहयोगी चिकित्सकों का प्रशंसनीय योगदान रहा।

श्री बिजयकुमार सुराणा स्मृति निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर : विज्ञान समिति में चवालीसवां शिविर दिनांक 19 फरवरी 2017 तृतीय रविवार को आयोजित किया गया। इस चिकित्सा शिविर में **डॉ. आई.एल.जैन,** वरिष्ठ फिजिशियन एवं हृदयरोग विशेषज्ञ; **दर्शन डेंटल कॉलेज** के दंत रोग विशेषज्ञ **डॉ. शिवम शर्मा** एवं उनकी टीम, **श्री मुर्तजा हुसैन एवं श्री कमलेश शर्मा**–ब्लड शुगर जांच; **श्री बी.एल.पोखरना, ललित पोरवाल एवं श्री ए.एल. डांगी** एवं एक्यूप्रेशर टीम ने अपनी मानद चिकित्सा परामर्श सेवाएं यथावत प्रदान की। सभी के प्रति आभार। शिविर में कुल 84 नागरिकों का (79 बॉडी मास इंडेक्स/. सामान्य, 55 हृदय, 43 मधुमेह, 5 दंत रोग) विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया। इसी क्रम में 7 नागरिकों को एक्यूप्रेशर थेरेपी से चिकित्सा परामर्श दिया गया। आगामी **पैतालीसवां शिविर 19 मार्च 2017** रविवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में **डॉ. अरविन्दर सिंह**–निदेशक अर्थ डाइग्नोस्टिक **''बॉडी एनेलाइसिस मशीन''** के साथ आए। **डॉ. अरविन्दर** ने शरीर के विभिन्न भागों में प्रोटीन एवं वसा की मात्रा का महत्त्व बताया।

दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ

● दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ की दिनांक 14 फरवरी 2017 को बैठक हुई, जिसमें **डॉ. एन.एल. कच्छारा** ने **मोक्ष कब जाएं** विषय पर बहुत सुन्दर वार्ता दी। 15 फरवरी को कच्छारा सा. के 80 वर्ष हो रहे थे अतः उन्हें आज भावभीनी बधाई दी गई। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने उनकी जीवन यात्रा के सम्बन्ध में कविता सुनाई। आज उपस्थिति लगभग 50 लोगों की थी।

● जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं द्वारा **''वर्तमान समस्याओं के लिए जैन धर्म की उपयोगिता''** विषय पर त्रिदिवसीय सेमीनार दिनांक 24–26 फरवरी 2017 को इण्डियन कौंसिल ऑफ फिलोसोफीकल रिसर्च के आर्थिक सहयोग से आयोजित की गई। सेमीनार में जैन धर्म में प्रतिपादित सिद्धान्तों द्वारा विश्व में विद्यमान समस्याओं के समाधान पर गहन चिंतन मंथन किया गया। व्यक्तिगत सुख, पारिवारिक और सामाजिक समरसता, नैतिकता, पर्यावरणीय चिंता, आर्थिक परिवेश और संतुलित विकास और विश्व शांति विषयों पर विद्वानों ने अपने विचार रखे। **डॉ. के एल कोठारी** ने इस सत्र में अपना कविता पाठ किया। सेमिनार के लिए लगभग 95 शोधपत्र के संक्षेप प्राप्त हुए थे जिनमें से लगभग 80 पत्रों का वाचन 21 सत्रों में हुआ। इसके अतिरिक्त दो पेनल सत्र हुए जिनमें जैन सिद्धान्तों और लेखकों के विचारों के क्रियान्वयन पर विचार किया गया।

सेमीनार में विज्ञान समिति के सदस्यों की प्रमुख भागीदारी रही। **डॉ. नारायण लाल कच्छारा, डॉ. पारसमल अग्रवाल, डॉ. श्यामलाल गोदावत, डॉ. इन्द्रलाल जैन डॉ. प्रेम सुमन जैन, डॉ. देव कोठारी, डॉ. रोशन लाल जैन और श्रीमती विजया लक्ष्मी मुंशी** द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गये। सेमीनार में देश के कोने कोने से आये विभिन्न वर्ग के विद्वान तथा कुछ विदेशी विद्वान भी उपस्थित थे।

समापन सत्र में **डॉ. नारायण लाल कच्छारा** ने सेमिनार रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस सत्र में अतिथि **डॉ. एस.आर.भट्ट, प्रो एस राजारत्नम,** कुलपति, उड़ीसा विश्वविद्यालय और **प्रो. के पी मिश्रा** भूतपूर्व कुलपति, नेहरु ग्राम भारती, इलाहाबाद ने अपने विचार व्यक्त किये। **प्रो. बी आर दुग्गड़** द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया।

सेमिनार का एक विशेष सत्र आयोजित किया गया जिसमें जैन विश्व भारती संस्थान के कुलपति **प्रो. बी आर दुग्गड़** द्वारा सेमिनार में उपस्थित विद्वानों से विसंवाद किया गया और विद्वानों से संस्थान के विकास और सुधार के लिए विचार आमन्त्रित किए गये। बहुत से विद्वानों ने विभिन्न रूप में अपना सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की।

डॉ. पारसमल अग्रवाल ने एक सत्र की अध्यक्षता की और **डॉ. नारायण लाल कच्छारा, डॉ. के एल कोठारी, डॉ. इन्द्र लाल जैन, डॉ. देव कोठारी** और **डॉ. श्यामलाल गोदावत** सह अध्यक्ष रहे।

प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ

विज्ञान समिति सभागार कक्ष में प्रबुद्ध वक्ता **डॉ. कमल प्रकाश तलेसरा,** ज.रा.ना. राज. विद्यापीठ विश्वविद्यालय थे। उन की वार्ता का विषय था **'सूर्य, इसकी ऊर्जा एवं इसके अनुप्रयोग'**। मुख्य वक्ता ने ब्रह्माण्ड, सूर्य–संरचना, सूर्य–ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा के नैसर्गिक एवं मानव प्रेरित उपयोग आदि का वैज्ञानिक एवं भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में प्रतिपादन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ प्रभारी **मुनीश गोयल** ने और धन्यवाद **प्रो. एन. एल. गुप्ता** ने दिया।

केलवा प्रोजेक्ट

● **नेत्र चिकित्सा शिविर :** आचार्य श्री भिक्षु आलोक संस्थान, केलवा द्वारा आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर में भिक्षु विहार केलवा में डॉ. कोठारी आई हॉस्पीटल, उदयपुर के नेत्र विशेषज्ञ **डॉ. अनिल कोठारी, डॉ. कार्तिकेय कोठारी** एवं उनकी टीम द्वारा 250 रोगियों का नेत्र परीक्षण 12 फरवरी 2017 को किया गया। आचार्य भिक्षु आलोक संस्थान, तेरापंथ सभा केलवा, तेरापंथ युवा परिषद केलवा तथा विजन फाउन्डेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर को लोक सभा संसदीय क्षेत्र राजसमंद के **सांसद श्री हरिओमसिंह राठौड़ ने उद्घाटित किया।** 45 जरूरतमंद ऑपरेशन योग्य रोगियों को संस्थान द्वारा उदयपुर आई हॉस्पीटल में भेजा गया जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन, लैंस, दवाईयां दी गई।

● श्रद्धा का 40 वां अंक (फरवरी 2017) प्रकाशित–वितरित हुआ।

सदस्यों सबंधी

● **डॉ. यशवंत कोठारी :** हमारे सदस्य और कुम्भा संगीत समारोह के सचिव **डॉ. यशवंत कोठारी** और उनकी टीम ने वार्षिक संगीत समारोह सुखाड़िया विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में दिनांक 24, 25, 26 फरवरी को आयोजित किया जिसमें देश के कई ख्यातिनाम संगीतज्ञ उपस्थित हुए जिनके संगीत का रसास्वादन उदयपुर के प्रबुद्ध समाज ने किया, इस सफल आयोजन के लिए **डॉ. यशवंत कोठारी** और उनकी टीम को हार्दिक बधाई। **डॉ. यशवंत कोठारी** विज्ञान समिति के संस्थापक सदस्यों में से हैं पूर्व उपाध्यक्ष हैं एवं **डॉ. दौलत सिंह कोठारी** विज्ञान एवं दर्शन दिवस के संयोजक हैं।

● **श्री प्रकाश तातेड़ :** हमारे एकेडमिक सचिव **श्री प्रकाश तातेड़** को उनके द्वारा पिछले वर्षों में राजसमंद में स्थापित अणु विश्व–भारती के कार्यों में विशिष्ट योगदान के लिए जैन श्वेताम्बर तेरापंथ के **आचार्य महाश्रमण जी** ने विशेष समारोह में **श्री प्रकाश तातेड़** को **''अणुसेवी''** पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की, हार्दिक बधाई।

● **डॉ. के. बी. शर्मा :** हमारे अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने पिछले माह एक आँख के केटरेक्ट का ऑपरेशन अहदमदाबाद में करवाया था। इस माह उन्होंने दूसरी आँख का ऑपरेशन भी वहीं करवाया, वे स्वस्थ हैं और इस रिपोर्ट के तैयार करते समय उदयपुर पहुँच गये हैं।

● **डॉ. अनिला दोशी :** हमारी सदस्या डॉ. दोशी अपने सेवा काल का समय पूरा कर 28 फरवरी को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता पद से सेवा निवृत्त हुई। सफल सेवा काल के लिए हार्दिक बधाई।

● **डॉ. एन. एल. कच्छारा, डॉ. पी. एम. अग्रवाल, डॉ. के. एल. कोठारी, डॉ. आइ. एल. जैन, डॉ. आर. एल. जैन** ने जैन विश्व भारती द्वारा **''जैन दर्शन एवं जैन सिद्धान्तों से वर्तमान वैश्विक समस्याओं का समाधान''** विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय संगोष्ठी 24, 25, 26 फरवरी में भाग लिया। विस्तृत विवरण इसी रिपोर्ट में है।

सरस्वती मूर्ति स्थापना

मैडम मेरी क्यूरी सभागार में श्रीमान् मदनसिंह जी –श्रीमती लीला जी सुराणा के सौजन्य से सरस्वती की मूर्ति छोटे मंदिर के रूप में 1 फरवरी (बसंत पंचमी दिवस) प्रातः 10 बजे स्थापित हुई जिसमें समिति के कई लोग उपस्थित थे। मूर्ति स्थापना के विशिष्ट अतिथि थे – श्री राज लोढ़ा, श्री बी एल खमेसरा, डॉ. एल एस झाला , डॉ. एल एल धाकड़, डॉ. एन एल गुप्ता, डॉ. के एल कोठारी, सुराणा जी के सम्बन्धी **श्री चन्द्रसिंह खमेसरा, श्रीमती उर्मिला खमेसरा, श्रीमती विमला कोठारी, श्रीमती चन्द्रा भण्डारी।** स्थापना पश्चात् दीप प्रज्जवलन किया गया। मूर्ति बनवाने लगवाने सम्बन्धी सारा कार्य हमारे उपाध्यक्ष **डॉ. के एल तोतावत** के निर्देशन में हुआ।

विज्ञान छात्राओं को छात्रवृत्ति

विज्ञान समिति में फरवरी 21, 2017 को अपरान्ह 3.00 बजे छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन हुआ। श्री आर डी मोदी, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त), SBBJ पटियाला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। **श्री बी एस भण्डारी एवं प्रो. सुशीला अग्रवाल** विशिष्ट अतिथि थे। इस आयोजन में छात्राओं के 75 % या इससे अधिक अंक होने पर 3000/– की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। जिन छात्राओं के 75 % से कम लेकिन 60% तक अंक रहे उन्हें 2000/– की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम में छात्रवृत्ति हेतु 1,89,000/– वितरित किये गये तथा 80 छात्राएं लाभान्वित हुई। कॉलेज की वे प्रतिभाशाली छात्राएं भी लाभान्वित हुई जिन पर पिता का साया नहीं है अथवा पिता का परिवार को संरक्षण प्राप्त नहीं है, साथ नहीं रहते हैं। **श्री प्रकाश तातेड़** ने सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछ कर कार्यक्रम को गति प्रदान की। **डॉ. सुशीला अग्रवाल** ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए दृढ़ संकल्प के साथ आगे पढ़ने और बढ़ने का आग्रह किया। **डॉ. के पी तलेसरा** ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभिन्न दृष्टांतों से एवं प्रसंगों की सहायता से उपस्थित छात्राओं को उत्साहित किया। छात्रवृत्ति प्रभारी **प्रो जगदीश कविराज** ने विद्यार्थियों को प्रेरणात्मक संदेश दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। **छात्रवृत्ति के प्रमुख स्रोत : श्री मदनसिंह-लीला जी सुराणा (एफ.डी.), भंडारी कांकरिया चेरिटेबल ट्रस्ट, श्री के.एल. बोहरा, स्व. ललित बक्षी परिवार, प्रो. एन.एल. कच्छारा, वासू पूज्य मंदिर ट्रस्ट, श्रीमती चन्द्रा भंडारी, श्री जगदीश नारायण कविराज।**

विज्ञान समिति के युवा सदस्यों की बैठक

दिनांक 18 फरवरी को समिति परिसर में युवा सदस्यों की एक बैठक रखी गई जिसमें 6 युवा सदस्य (तीन पुरुष, तीन महिलाएं) उपस्थित थे। पदाधिकारियों में से **डॉ. के.एल. कोठारी संस्थापक, डॉ. के.बी. शर्मा अध्यक्ष, श्री रमेश भटनागर** महासचिव एवं 7 अन्य सदस्य उपस्थित थे। युवाओं ने अपने अपने विचार दिए। अगली बैठक शीघ्र ही आयोजित की जाएगी। युवाओं का वाट्स एप ग्रुप भी डॉ. प्राची भटनागर ने बनाया है।

आनापान सती ध्यान का प्रयोग

3 फरवरी को प्रातः 10 बजे विज्ञान समिति के मैरी क्यूरी सभागार में आन्ध्रप्रदेश के गुरु **श्री सुभाष जी पत्री** से ध्यान के कुछ विलक्षण प्रयोग करवाये एवं यह स्पष्ट किया कि ध्यान –विधि ऊर्जा का बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। कई लोगों का भी माकूल उपचार हो जाता है। उन्होंने कहा कि ध्यान के लिये कोई भी स्थिति अर्थात् सोते–बैठते या खड़े होकर सुविधाजनक स्थिति में से किसी भी एक स्थिति में ध्यान किया जा सकता है। ध्यान के लिये उन्होंने पिरामिड स्ट्रक्चर पर बहुत जोर दिया पिरामिड स्ट्रक्चर को बहुत महत्त्वपूर्ण बताया उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रेरणा देकर लगभग 10,000 पिरामिड बनवाये हैं। उन्होंने विज्ञान समिति में भी पिरामिड बनवाने की राय दी। यह कार्यक्रम हमारे सदस्य **डॉ.एन सी जैन** की प्रेरणा से हुआ।

ओस्तवाल विश्वविद्याल का भ्रमण

हमारे सदस्य और ओस्तवाल विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. महीप भटनागर** के निमंत्रण पर विज्ञान समिति का 18 सदस्यों का एक दल 9 फरवरी सवेरे ओस्तवाल विश्वविद्यालय मंगलवाड़ पहुंचा। वहाँ उन्हें परिसर दिखाया गया तथा विद्यार्थियों के मध्य भी कार्यक्रम रखा गया। विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकायों का प्रथम वर्ष प्रारम्भ हुआ है। कुल मिलाकर परिसर का अच्छा विकास हो रहा है। आतिथ्य भी भावभीना था।

बुक-पोस्ट

प्रेषक : विज्ञान समिति, रोड़ नं. 17, अशोक नगर, उदयपुर

सेवा में

जन्मदिन की बधाइयाँ

March		April	
Sh. SL Godawat	03/03	Sh. Prakash Tater	03/04
Dr. Prachi Bhatnagar	04/03	Dr. Arun Bordia	06/04
Sh. V.K. Sood	06/03	Smt. Ashok Rathod	06/04
Sh. RS Sojatia	08/03	Dr. Sujjan Singh	10/04
Shri Arun Kothari	09/03	Sh. R.C. Mehta	11/04
Dr. R.L. Jain	10/03	Sh.Hemant Bohra	12/04
Mrs. Manjula Bordia	13/03	Shri B.M. Dixit	17/04
Sh. V.B. Singh	21/03	Sh.T.P. Paliwal	25/04
Sh. B.S. Mehta	24/03		
Sh.Babulal Kothari	25/03		
Mrs. Mamta Kothari	27/03		

डॉ. एन.एल. कच्छारा का 81वां जन्मदिन 14 फरवरी को समिति में उत्साहपूर्वक मनाया गया जिसमें लगभग 60 सदस्यों की उपस्थिति थी । इस अवसर पर लोगों ने अपने उद्‌गार प्रकट किए।

विज्ञान समिति के मार्च माह के कार्यक्रम

- **मासिक प्रकाशन :** लोकविज्ञान, लहर तथा मासिक रिपोर्ट का नियमित प्रकाशन
- **नियमित स्वास्थ्य सेवाएं**
  - ❐ एक्यूप्रेशर चिकित्सा : प्रत्येक गुरुवार व शनिवार को सायंकाल 5 से 6.30 समिति परिसर में
  - ❐ श्री बिजय कुमार सुराणा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविरः समिति परिसर में तीसरे रविवार 19 मार्च 2017 प्रातः 10 से 12 बजे तक

नियमित मासिक गतिविधियां	दिनांक	समय
✱ नवाचार महिला प्रकोष्ठ मासिक बैठक एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	शुक्रवार 10 मार्च	प्रातः 11.00 बजे से
✱ दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ मासिक बैठक	मंगलवार 11 मार्च	प्रातः 11.00 बजे से
✱ वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ मासिक बैठक	सोमवार 20 मार्च	प्रातः 11.00 बजे से
✱ प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ मासिक बैठक	शनिवार 25 मार्च	प्रातः 11.00 बजे से
✱ ग्रामीण महिला चेतना शिविर	शुक्रवार 31 मार्च	प्रातः 11.00 बजे से
विशेष कार्यक्रम		
✱ कृषि वि.वि. साझा कार्यक्रम के अंतर्गत देवाली ग्राम भ्रमण एवं विशेष कार्यक्रम	शुक्रवार 03 मार्च शुक्रवार 24 मार्च	
✱ अन्य कार्यक्रम निर्णय होने पर		

अपील

- कार्यकारिणी के निर्णयानुसार प्रत्येक सदस्य को एक हजार रु. प्रतिवर्ष समिति की गतिविधियों के लिए देना है।इस निर्णय का चौथा वर्ष प्रारंभ हो गया है।कृपया सहयोग प्रदान करावें।
- निर्माण, स्थायी कोष (कोरपस फंड), महिला समृद्धि कोष, छात्रवृत्ति कोष एवं अभावग्रस्तों को सहयोग फंड के लिए भी आर्थिक सहयोग अपेक्षित है।

सौजन्य :– श्रीमान् मदनसिंह जी–श्रीमती लीला जी सुराना, 8–सी, मधुबन, उदयपुर (वर्तमान में हांगकांग)